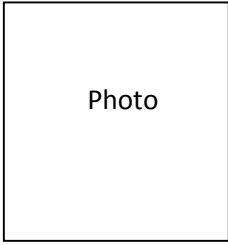


अवध बिहारी सिंह महाविद्यालय करमानपुर बलिया उत्तर प्रदेश का संक्षिप्त इतिहास

गंगा और घाघरा दोआब की साड़ी संस्कृति तथा उर्वर माटी समय-समय पर ऐसे सपूतों को जन्म देती रही है, जिनका नाम इस अंचल के ही नहीं बल्कि भारतीय शिक्षा के इतिहास में सुनहरे पन्नों पर स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है। द्वाबा का यह क्षेत्र परम पूजनीय संत शिरोमणि महाराज बाबा के शिष्य श्री सुदिष्ट बाबा अनंत काल के लिए समाधिस्ट संत श्री खपड़िया बाबा एवं रामबालक बाबा की यह तपोस्थली है। हिन्दी जगत के देदीप्यमान नक्षत्र भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से पुरस्कृत प्रोफेसर केदारनाथ सिंह जी की चकिया सीमांत ग्राम में जन्मस्थली है। यहां के शिक्षा पुरुष, शिक्षा जगत में बलिया के 'मालवीय' कहे जाने वाले, श्रद्धेय स्व० मैनेजर सिंह जी की कर्मस्थली है जो यही 'करमानपुर' में जन्म लेकर इस अंचल को तपोवन किया। इस मिट्टी की उर्वरता ने समय-समय पर अनेकानेक ऐसी विभूतियों को जन्म दिया है जिन्होंने इस माटी के यश में अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया और सपनों की श्रृंखला में एक-एक कड़ी जोड़कर शिक्षा जगत को ऊचाइयों पर पहुँचाने का काम किया।

इसी कड़ी को आगे बढ़ाने वाले बाबू श्री अवध बिहारी सिंह भले ही अपने समय में उच्च शिक्षा से वंचित रहे हों लेकिन उच्च शिक्षा न प्राप्त कर पाने की कसक उनको लगातार पीड़ा देती रही। इस कसक को उन्होंने हमेशा महशूस किया और अंततः यह कसक एक सुनहरे स्वप्न में परिणित हुई और इसी स्वप्न को साकार करने के लिए इस अंचल में उच्च शिक्षा का यह नन्हा पौधा "अवध बिहारी स्मारक एजुकेशनल ट्रस्ट" के माध्यम से श्रद्धेय श्री अवध बिहारी सिंह जी के सुपुत्र श्री सुनील सिंह जी ने 'अवध बिहारी सिंह महाविद्यालय करमानपुर, बलिया(30 प्र०)' की स्थापना करके पिता के उन सपनों को इस आशा और विश्वास के साथ साकार किया कि यह नन्हा कंदील एक दिन बोधि-वृक्ष के रूप में पुष्पित और पल्लवित होगा। महाविद्यालय की भौगोलिक स्थिति सुरेमनपुर रेलवे स्टेशन से तीन किमी दक्षिण-पश्चिम में एवं दल छपरा रेलवे स्टेशन से 2.5 किमी दक्षिण-पूर्व दिशा में तथा रेवती-बैरिया सड़क मार्ग से दलपतपुर से 2 किमी. उत्तर तथा गंगा पाण्डेय का टोला से 2.75 किमी. उत्तर-पूर्व दिशा में अवस्थित है।

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया (30 प्र०) से सम्बद्ध 2021-22 के लिए महाविद्यालय में निम्नलिखित विषयों में-- हिन्दी, प्राचीन इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीति शास्त्र, भूगोल, शिक्षा शास्त्र एवं गृह विज्ञान की मान्यता प्राप्त हुई है तथा स्नातक का पाठ्यक्रम प्रारंभ हो गया है। भावी भविष्य में शिक्षा संकाय और विज्ञान संकाय की मान्यता प्रस्तावित है। आगे आने वाले समय में यह महाविद्यालय आस-पास के ग्रामीण छात्र-छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा ग्रहण करने का एक अहम माध्यम होगा। अपनी मानव सैद्धांतिकी को, ज्ञान प्राप्त करने की उस पिपाशा को, संस्कारों का आधार देते हुए अपनी कर्मशीलता, और ज्ञानार्जन, के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ खड़ा है।



प्रबंध निदेशक संदेश

हर तरफ से आने वाले महान विचारों को हमें प्राथमिकता देते हैं, मैं 'अवध बिहारी सिंह महाविद्यालय करमानपुर, बलिया में आपका स्वागत करता हूँ। यह एक ऐसी संस्था है जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रसार करते हुए उच्च आदर्शों एवं सभी मानकों को पूरा करेगी। सर्व सुलभता की शर्त पर गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देने के सपने के साथ "अवध बिहारी सिंह महाविद्यालय करमानपुर" की स्थापना हुई है। यह शिक्षण संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के साथ-साथ छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता के साथ खड़ा है।

हरे-भरे, प्रदूषण मुक्त, सुरम्य वातावरण में स्थित यह महाविद्यालय हमारे संगठन में सुशिक्षित, योग्य, अनुभवी प्राध्यापक और सुसज्जित प्रयोगशाला, विशाल व्याख्यान कक्ष और इंटरनेट सुविधा के साथ कंप्यूटर केंद्र और खेल सुविधाओं से सुसज्जित है। यहाँ सभी छात्र/छात्राओं के समग्र व्यक्तित्व विकास व आंतरिक शक्तियों पर ध्यान केंद्रित करने और आत्मविश्वास विकसित करने पर ध्यान दिया जाएगा। हम छात्र/छात्राओं को न केवल शिक्षाविदों बल्कि सह.पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान करेंगे। हम व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण की एक बहु अनुशासित अध्ययन संस्कृति को प्रोत्साहित करेंगे। हम नए विचारों और सुझावों के लिए खुले मन से विद्वानों को आमंत्रित करते हैं, जो हमारे महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं को प्रज्ञा आधारित मूल्य से जोड़ सकें। मैं युवा छात्रों का स्वागत करता हूँ और एक जिम्मेदार तथा मूल्यवान नागरिक के रूप में इनकी सफलता की कामना करता हूँ। मैं विश्वास दिलाता हूँ कि यदि आप हमारे महाविद्यालय में प्रवेश लेते हैं तथा अध्ययन करते हैं तो हमेशा आपके लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रसन्न चित्त अनुभूति वाला होगा। मैं इस संस्थान में प्रवेश लेने वाले समस्त छात्र-छात्राओं की संपूर्ण सफलता की मंगलमय कामना करता हूँ।

प्रबंध निदेशक

सुनील सिंह "मंटन"

अवध बिहारी सिंह महाविद्यालय करमानपुर

Photo

प्राचार्य के कलम से

उच्चादर्शों की स्थापना के संकल्प के साथ सदपुरुषों की दृढइच्छाशक्ति के परिणाम स्वरूप अवध बिहारी सिंह महाविद्यालय करमानपुर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी पहचान कायम करने में निरन्तर प्रतिबद्ध है। प्रबन्धतंत्र की संवेदनशील सहभागिता, कुशल प्राध्यापकों/ प्राध्यपिकाओं प्रदधी एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के सार्थक सहयोग एवं उत्तरदायित्व के प्रति निष्ठा के बिना इस शिक्षण संस्थान का वर्तमान स्वरूप संम्भव नहीं हो सकता । उच्चशिक्षा से वंचित इस पिछड़े एवं आर्थिक रुप से विपन्न आंचलिक क्षेत्र के विद्या के प्रति आग्रही छात्र-छात्राओं की उच्च शिक्षा से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने में यह शिक्षण संस्थान सफल सिद्ध होगा। इस शिक्षण संस्थान के स्थापना की संकल्पना सदपुरुषों द्वारा उनकी आत्मीय सदाशयता और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का ही सु.फल है। जो क्षेत्र के शिक्षा के प्रति सजग, प्रबुद्ध अभिभावकों के सहयोग के बिना मूर्तरुप ग्रहण नहीं कर सकता था। साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र में उत्तरोत्तर विकास में अग्रसर यह शैक्षणिक संस्थान अनेक प्रकार के कार्यक्रम संचालित करता रहेगा, जिसमें संगोष्ठी, रोवर्स/रेंजर्स , नारी सुरक्षा सप्ताह, रंगोली प्रतियोगिता, मेंहदी प्रतियोगिता, सामान्य-विज्ञान प्रतियोगिता, महापुरुषों की जयन्ती और समय-समय पर विषयवार अतिथि व्यख्यान आदि संचालित होती रहेगी। शिक्षण संस्थान का मूल उद्देश्य उच्च शिक्षा के आकांक्षी छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापरक शिक्षा के द्वारा नैतिक, सामाजिक, चारित्रिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक रुप से तैयार किये बिना पूरा नहीं हो सकता। आइये! हम सब मिलकर महान उच्चादर्शों की प्राप्ति के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दें। महाविद्यालय परिवार आप सबको आश्वस्त करना चाहता है, कि हम आपके बच्चों को बौद्धिक, शारीरिक और आत्मिक तौर पर तैयार करके एक शिक्षित, सभ्य एवं कुशल नागरिक के रुप में देश को समर्पित करेंगे । शुभकामनाओं के साथ आपका.....

प्राचार्य

डॉ. एस. के. सिंह

अवध बिहारी सिंह महाविद्यालय करमानपुर

महाविद्यालय का उद्देश्य

अवध बिहारी महाविद्यालय करमानपुर अपने उच्च आदर्शों को लेकर शैक्षिक जगत में अपनी पहचान बनाने के लिए उत्कृष्टता के समस्त मानकों को पूरा करने का आश्वासन देता है। यह महाविद्यालय शैक्षिक अकादमिक क्रियाओं के माध्यम से इस अंचल में एक नया मानक गढ़ने के लिए अग्रसर है। अपनी गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रणाली और अनुभवी शिक्षकों के माध्यम से इस अंचल में अपनी एक अलग पहचान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह सत्य है कि किसी नई संस्था को लोगों के विश्वास पर खरा उतरने में, एक लंबा समय लगता है और उस विश्वास को बरकरार रखने में उसे दिन-रात परिश्रम करना पड़ता है। लेकिन एक दिन इस परिश्रम का प्रतिफल लोगों के विश्वास, लोगों की आस्था के रूप में प्राप्त होता है। हम इस बात में विश्वास रखते हैं कि समय के साथ संस्था के उच्च मानक को देखकर लोग कहें कि यह महाविद्यालय अपनी वाणी और कर्म में एक समानता रखता है। इस अंचल में प्राकृतिक वातावरण में स्थापित यह महाविद्यालय अपनी दूरदृष्टि और भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए ज्ञान-विज्ञान, साहित्य, पाठ्य सहगामी क्रियाएं एवं सकारात्मक सोच के साथ निरंतर संस्कार बद्ध होकर ज्ञान के उस परचम को लहराएगा की लोग इस अंचल में इस संस्था को बड़ी ही निष्ठा और सम्मान की दृष्टि से देखें। आने वाले नवागंतुक छात्र छात्राओं को आश्वस्त करना चाहते हैं कि आगामी भविष्य में यहाँ खेलकूद के उत्तम साधन, पठन-पाठन की उत्तम व्यवस्था, ज्ञान विज्ञान, की स्तरीय पुस्तकों से सुसज्जित लाइब्रेरी और अनुशासन उनके भविष्य को निश्चित रूप से उज्ज्वल बनाएगा। हम उनके विश्वास पर खरे उतरने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इन्हीं मंगल कामनाओं के साथ समृद्ध भविष्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ.....

सामान्य निर्देश

महाविद्यालय आपका अपना है इस विद्यालय की अपनी गरिमा परंपरा एवं मान्यता है इनकी रक्षा करना, पालन करना, आपका परम कर्तव्य ही नहीं, धर्म भी है। सदाचरण एवं सद्व्यवहार से महाविद्यालय में सौहार्द का ऐसा वातावरण बनायें जिससे प्राचार्य एवं छात्र, अनुशासनाधिकारी एवं छात्र, शिक्षक एवं छात्र से सहयोग एवं मार्गदर्शन मिलता रहे। महाविद्यालय के भवन एवं संपत्ति को अपने कल्याण हेतु स्वीकार करते हुए इसकी रक्षा एवं विकास का संकल्प लें।

कार्यालय द्वारा प्रसारित सूचना में कोई परिवर्तन सम्भव है | प्राचार्य एवं अनुशासन समिति के तात्कालिक निर्णयानुसार महाविद्यालय कि नियमावली में संशोधन हो सकता है, जिसकी सूचना निर्दिष्ट समय पर प्रसारित की जाएगी |

अनुशासनाधिकारी कार्यालय एवं मुख्य कार्यालय द्वारा प्रसारित सूचनाओं एवं निर्देशों पर ध्यान दें तथा यह भी स्वीकार करें कि महाविद्यालय के किसी नियम एवं विधि में सहयोग करेंगे ।

महाविद्यालय में उपलब्ध विषयों की सूची

स्नातक कला के विषय समूह निम्नवत है-

- | | | | |
|---------|---------------|------------------|-------------------|
| ● हिंदी | ● समाजशास्त्र | ● प्राचीन इतिहास | ● राजनीति शास्त्र |
| ● भूगोल | ● गृह विज्ञान | ● शिक्षा शास्त्र | |

अभिभावकों से निवेदन

महाविद्यालय अपने छात्र, अभिभावकों से अनुरोध करता है कि वे अपने पाल्य के सम्बन्ध में समस्त शैक्षिक जानकारी महाविद्यालय से प्राप्त करते रहें | महाविद्यालय एक सामाजिक संस्था है, अभिभावक एवं छात्र इसके सक्रिय सदस्य हैं, अतः अभिभावक अपने पाल्यों को समय से महाविद्यालय भेजें तथा महाविद्यालय विकास को नई दिशा दें | सभी छात्र-छात्राएं महाविद्यालय अनुशासन को पहली प्राथमिकता देता है | अनुशासन के साथ कोई समझौता नहीं होगा |

प्रवेश के सम्बन्ध में सामान्य नियम

अवध बिहारी सिंह महाविद्यालय में विद्यार्थियों का प्रवेश प्रवेश समिति की संस्तुति एवं अनुशासन अधिकारी की सहमति एवं प्राचार्य के अनुमोदन के बाद होता है इस संदर्भ में कुछ सामान्य नियम निम्नांकित हैं-

- 1- महाविद्यालय में प्रवेश के लिए जाति वर्ग एवं समुदाय लिंग तथा धर्म के लोग समान अधिकार रखते हैं ।
- 2- महाविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन फॉर्म भरना अनिवार्य है, जिसे महाविद्यालय के मुख्य कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है ।
- 3- प्रवेश विज्ञान वर्ग, वाणिज्य वर्ग एवं कला वर्ग के इच्छुक छात्र एवं छात्राओं की योग्यता के आधार पर होता है।
- 4- प्रवेश के इच्छुक छात्रों का आवेदन फॉर्म पूर्ण रूप से भरकर आवश्यक सूचनाओं एवं प्रमाण-पत्रों के साथ अंतिम तिथि के पहले कार्यालय में जमा करना होता है ।
- 5- प्रवेश फार्म की जांच प्रवेश समिति के समक्ष होती है । इसमें अभ्यार्थी यदि अर्ह पाया जाता है तो उसके प्रवेश की संस्तुति प्रदान कर दी जाती है ।
- 6- प्रवेश के समय यदि कोई छात्र टी.सी. (प्रवजन प्रमाण-पत्र) आवश्यक प्रपत्र नहीं संलग्न नहीं करता है तो 30 दिन के बाद उसका प्रवेश निरस्त माना जाएगा ।
- 7- पुस्तकालय सुविधा प्राप्त करने हेतु विद्यार्थी को पुस्तकालय कार्ड लेना आवश्यक होगा ।

अनुशासन सम्बन्धी नियम

- 1- महाविद्यालय में छात्रों एवं छात्राओं का प्रवेश अंतिम है यदि इनके द्वारा कोई अनियमितता बरती जा रही है तो प्रवेश समिति, प्राचार्य, मुख्य अनुशासनाधिकारी द्वारा प्रवेश निरस्त किया जा सकता है ।
- 2- महाविद्यालय बिना किसी कारण किसी भी छात्र का नामांकन विशेष परिस्थिति में निरस्त कर सकता है । इसके विरुद्ध कोई भी शिकायत अस्वीकार होगी ।
- 3- महाविद्यालय का प्रत्येक छात्र अनुशासनात्मक व्यवस्था में महाविद्यालय प्रशासन का पूर्ण सहयोग करेगा तथा महाविद्यालय के अंदर एवं बाहर उसके द्वारा ऐसा कृत्य नहीं किया जाएगा, जिससे महाविद्यालय का नाम कलंकित हो ।
- 4- विद्यार्थियों को महाविद्यालय परिसर में परिचय-पत्र साथ रखना अनिवार्य होगा ।
- 5- छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना होगा ।
- 6- परिचय पत्र रद्द या खो जाने पर शुल्क जमा कर द्वितीय प्रति प्राप्त की जा सकती है ।
- 7- विद्यार्थियों का चरित्र प्रमाण-पत्र अनुशासनाधिकारी द्वारा प्रदान किया जाएगा ।
- 8- यदि महाविद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा अनुशासनहीनता की जाती है तो मुख्य अनुशासनाधिकारी एवं अनुशासन समिति द्वारा उचित दण्ड प्रक्रिया अपनायी जाएगी ।
- 9- महाविद्यालय द्वारा निर्धारित नियम एवं शुल्क प्रक्रिया सम्पूर्ण विद्यार्थियों पर एक साथ प्रभावी होगी ।
- 10- पुस्तकालय सुविधा हेतु प्रत्येक विद्यार्थी को पुस्तकालय कार्ड लेना अनिवार्य होगा।
- 11- महाविद्यालय में किसी भी छात्र-छात्रा के द्वारा महाविद्यालय परिसर में मोबाइल का प्रयोग सख्त वर्जित है ।
- 12- इस महाविद्यालय के मानक अनुसार उपस्थिति अनिवार्य है

पुस्तकालय संबंधी निर्देश

- 1- छात्र/छात्राएं को पुस्तकालय से पुस्तक प्राप्त करने हेतु अपने साथ परिचय-पत्र लाना अनिवार्य है।
- 2- छात्र/छात्राएं अपने पास एक सप्ताह से अधिक समय तक पुस्तक नहीं रख सकता/सकती है।
- 3- छात्र/छात्राएं अपने पुस्तकालय कार्ड पर पुस्तक निर्गत होने एवं जमा होने की तिथि अवश्य अंकित कराये।
- 4- निर्धारित समय-सीमा से अधिक समय तक पुस्तकें अपने पास रखने पर उसे प्रति पुस्तक एक रुपये प्रतिदिन शुल्क जमा करना होगा।
- 5- पुस्तकालय से प्राप्त पुस्तक खो जाने की दशा में छात्र/छात्रा प्रार्थना-पत्र पर प्राचार्य की अनुमति से पुस्तक का निर्धारित मूल्य पुस्तकालय में जमा करेगा/करेगी।
- 6- पुस्तकालय में पुस्तकालयाध्यक्ष के निर्देशों/आदेशों का पालन करना अनिवार्य है।

महाविद्यालय द्वारा प्रदत्त सुविधाएं

- 1- महाविद्यालय के प्रत्येक विषय में मानक के अनुसार प्राध्यापक/प्राध्यापिका।
- 2- समुन्नत पुस्तकालय एवं वाचनालय की व्यवस्था।
- 3- महाविद्यालय में शुद्ध पेयजल के लिए आरो प्लांट की व्यवस्था है।
- 4- महाविद्यालय में स्वचालित लिफ्ट की व्यवस्था है।
- 5- महाविद्यालय में फ्री वाईफाई इंटरनेट की व्यवस्था है।
- 6- सभी प्रयोगात्मक विषयों के लिए सुसज्जित, संसाधनयुक्त प्रयोगशाला की उत्तम व्यवस्था।
- 7- विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए खेलों का मैदान तथा इससे सम्बन्धित क्रीडा सामग्रियां उपलब्ध है।
- 8- छात्रों को भौतिक युग के अनुरूप सामर्थ्यवान बनाने हेतु महाविद्यालय में कंप्यूटर शिक्षण की व्यवस्था की गई है।
- 9- विभिन्न विषयों के छात्रों के लिए शैक्षणिक पर्यटन की व्यवस्था है।
- 10- विद्यार्थियों के कलात्मक रुचि लेखन पटुता एवं नेतृत्व जैसे गुणों को विकसित करने के लिए महाविद्यालय में सांस्कृतिक परिषद का गठन किया गया है, जिसके द्वारा समय-समय पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।